

यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना

जय महावीर

जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2020

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 11 तत्व

अंक 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं.....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ()

जीवधड़ा

प्रश्न 1. हां या ना में जवाब दें-

10

1. अपर्याप्त प्रियदर्शन देव में वैक्रिय मिश्र काय योग नहीं पाया जाता है। ()
2. जंबुद्वीप के देवकुरु क्षेत्र में सम्मूर्छिम मनुष्य पाए जाते हैं। ()
3. बादर तेउकाय ढाई द्वीप में आने वाले दोनों समुद्रों में ही पायी जाती है। ()
4. संज्ञी तिर्यच पंचे के अपर्याप्त जीव अशाश्वत है। ()
5. सिद्ध शिला के ऊपर बादर वायुकाय के अपर्याप्त व पर्याप्त दोनों भेद पाए जाते हैं। ()
6. 56 अन्तर्द्वीप के युगलिक मनुष्य नो गर्भज होते हैं। ()
7. सूक्ष्म पृथ्वी पानी वनस्पति में चार लेश्या पायी जाती है। ()
8. श्रोतेन्द्रिय के अलद्धिये में अकर्मभूमि के पर्याप्त मनुष्य भी होते हैं। ()
9. व्यवहार भाषा में तिर्यच के 13 भेद पाए जाते हैं। ()
10. ईशान देवलोक के देवों में दो वेद पाए जाते हैं। ()

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर दिजिए -

10

1. ऐसे कौन से जीव हैं जो नियमा अपर्याप्त अवस्था में ही काल करते हैं? उनके कितने भेद हैं?

2. पद्मलेश्या किन देवों में पायी जाती है? 563 भेदों में उन देवों के कितने भेद हैं?

3. क्षायिक समकित किन तिर्यच पंचे में पायी जाती है? उनके कितने भेद हैं?

4. अपर्याप्त जीव के भेदों में मनुष्य के कितने भेद पाए जाते हैं? 563 में अपर्याप्त जीव के कितने भेद हैं?

5. जीवधड़ा में कितने द्वारों से 563 भेदों का निरूपण किया गया है?

6. परिहार विशुद्धी चारित्र कौन-कौन से क्षेत्र के संयतों में पाया जाता है?

7. 30 अकर्मभूमि के मनुष्यों में कौनसा संहनन और कौन सा संस्थान पाया जाता है?

8. अनिन्द्रिय और स्पर्शोन्द्रिय के अलद्धिये में कौन से जीव पाए जाते हैं? उनका गुण स्थान बताएं?

9. त्रैपल्योपमिक किलविषी देवों में कितने वेद पाए जाते हैं? कौन से?

10. ऐसे कौन से जीव हैं जो पर्याप्त अवस्था में भी अनाहारक होते हैं? 563 में उनके कितने भेद हैं?

प्रश्न 3 अंकों में उत्तर दीजिए-

5

1. भाषक में जीव के भेद -
2. अढ़ाई द्वीप के बाहर जीव के भेद -
3. विभंग ज्ञानी देवता में जीव के भेद -
4. चार लेश्या में जीव के भेद -
5. एकान्त नपुंसक वेद में जीव के भेद -
6. श्रोतेन्द्रिय में जीव के भेद -
7. सास्वादन समकित में जीव के भेद -
8. असंज्ञी जीवों में जीव के भेद -
9. अमर में जीवों के भेद -
10. सेवार्तक संहनन में जीव के भेद -

प्रश्न.4 जीव के 563 भेदों में निम्न संख्या वाले भेद किन जीवों में पाए जाते हैं? इनमें से कोई दो भेद ऐसे बताएं जिनमें दो बोल पाए जाते हैं? उदाहरण 351 औदारिक का प्रयोग और नो गर्भज दोनों में पाया जाता है

8

1. 231
2. 423
3. 347
4. 168
5. 358
6. 424
7. 539
8. 371

प्रश्न.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

10

1. सम्यक्मिथ्या दृष्टि में जीव के कौन से भेद पाए जाते हैं उन भेदों में जीव के कौन से भेद मिलायेगे तो समकित के जीवों की संख्या आ जायेगी।

.....

.....

2. अवधि दर्शन और औदारिक मिश्र काय योग में जीव के भेद समान संख्या में पाए जाते हैं? दोनों में पाए जाने वाले जीवों के भेद लिखिए?

.....

.....

.....

.....

3. नो गर्भज जीवों में 351 भेद पाए जाते हैं उतने ही भेद किस बोल में पाए जाते हैं? दोनों में पाए जाने वाले मनुष्य के भेदों की संख्या लिखिए?

.....

.....

.....

4. वैक्रिय काय योग में पाए जाने वाले जीवों की संख्या में जीव के कौन से भेद कम करें तो वैक्रिय मिश्र काय योग वाले जीवों की संख्या आ जायेगी?

.....

.....

.....

.....

5. ऐसा कौन-सा वेद है जो एकान्त रूप से नहीं पाया जाता है? उस वेद में जीव के कितने भेद पाए हैं? उन भेदों में देव गति के कितने भेद हैं?

.....

.....

.....

कर्म स्तोक मंजूषा

बंध उदय उदरणा सत्ता का थोकड़ा

प्रश्न 1. रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-

10

1. जिन कर्म प्रकृतियों का उदय होता है उन्हीं की होती है।
2. 12 कर्म प्रकृतियों का अयोगि केवल गुण में उदय विच्छेद होते ही जीव स्वरूप को प्राप्त हो जाती है।
3. जीव प्रदेश वाले स्कन्ध ग्रहण करता है।
4. दर्शन सप्तक का क्षय होने पर ही मनुष्य को सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है।
5. संहनन वाला जीव ही क्षपक क्षेणी पर आरोहण करता है।
6. स्थिति बंध और अनुभाग बंध के निमित्त से ही होता है।
7. मिथ्यात्वादि हेतुओं से जीव के द्वारा जो किया जाता है उसे कहते हैं।
8. जब तक प्रत्याख्यानवरण कषाय का उदय रहता है तब तक जीव स्वीकार नहीं कर सकता है।
9. संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्त जीव ही नवीन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न 2 निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए -

10

1. लब्धि अपर्याप्त जीव सम्यक्त्व लेकर आते हैं?
2. सास्वादन समकृति जीव के कौन-सी आनुपूर्वी का उदय नहीं होता है?
3. 14 वे गुण में जीव उदय योग्य 12 प्रकृतियों में किन प्रकृतियों की उदीरणा करता है?

4. लवण समुद्र में पाए जाने वाले मत्स्य श्रावक के किस गोत्र का उदय रहता है?
5. चारित्र इहभविक है, परभविक है या तदुभय भविक है?
6. ज्ञानावरणीय कर्म का बंध किसके सद्भाव से होता है?
7. किस योग से जीव भाषा वर्गणा के पुद्गलों का जिस्सरण करता है?
8. जिन कर्म प्रकृतियों के उदय में फल की अनुभूति नहीं होती है उसे क्या कहते हैं?
9. चौथे गुणस्थान में चरम शरीरी क्षायिक सम्यक्त्वी के दर्शन सप्तक के अलावा किन प्रकृतियों की सत्ता नहीं होती है?
10. कषायों का पूर्ण उपशम होने पर जीव किस गुणस्थान को प्राप्त करता है?

प्रश्न 3 अंकों में उत्तर दीजिए-

10

1. अचरम शरीरी क्षायिक सम्यक्त्वी के पांचवे गुणस्थान में सत्ता योग्य प्रकृतियाँ
2. क्षीण मोहनीय गुणस्थान में नाम कर्म की उदय योग्य प्रकृतियाँ
3. श्रावक के बंध योग्य प्रकृतियाँ
4. तीसरे गुणस्थान में आयुष्य कर्म की बंध योग्य प्रकृतियाँ
5. अप्रमत संमत गुणस्थान में उदीरणा योग्य प्रकृतियाँ
6. अर्दनाराच संहनन का उदय विच्छेद गुणस्थान
7. नवे गुणास्थान के पहले भाग के अंतिम समय में कितने कर्मों की प्रकृतियों का सत्ता विच्छेद होता है।
8. सयोगि केवलि गुण में सत्ता योग्य प्रकृतियाँ
10. बंध योग्य कुल प्रकृतियाँ

प्रश्न 4 पहचानों में कौन हूँ

10

1. जिस गुणस्थान में मेरा बंध होता है उनमें मेरा उदय नहीं होता है
2. मेरा बंध नहीं होता है परन्तु मेरा उदय सम्यक्त्वी जीव के ही होता है
3. मेरा बंध घोल मान परिणामों में होता है
4. अनंतानुबंधी चौक का क्षयोपशम और दर्शन त्रिक के उपशम से मेरी प्राप्ति होती है
5. मैं आकाश प्रदेश की क्षेणी के अनुसार गमन करने वाला हूँ
6. मेरा बंध करने के बाद जीव दूसरे व तीसरे गुणस्थान में नहीं जाता है।
7. अप्रमत संयत गुणस्थान में मेरा उदय होते हुए भी मेरी उदरणा जीव नहीं करता है।
8. मेरा उदय छठे गुण तक है परन्तु मेरी सत्ता का विच्छेद नवे गुण में है।
9. सिद्धांत मतानुसार हम एकान्त मिथ्यादृष्टि होते हैं?
10. मेरे निमित्त से प्रकृति बंध और प्रदेश बंध होता है?

प्रश्न 5 अनंतानुबंधी कषाय के उदय के अभाव में अनंतानुबंधी कषाय का बंध होता है? कारण स्पष्ट करें? 2

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6 असातावेदनीय कर्म का बंध किस गुणस्थान तक होता है? इस कर्म का बंध आगे के गुण स्थानों में क्यों नहीं होता है? कारण बताईए? 1.5

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 7 चौथे गुणस्थान के अंतिम समय में बंध विच्छेद व उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियों के नाम लिखें? 2

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 8 आठवे गुणस्थान के छोटे भाग के अंत में कितनी प्रकृतियों का बंध विच्छेद होता है? उतनी ही प्रकृतियों का उदय विच्छेद किस गुणस्थान के अंत में होता है? उन प्रकृतियों के नाम लिखें? 2

.....

.....

.....

.....

.....
.....
.....
प्रश्न 9 अयोगि केवली गुणस्थान में सत्तागत कितनी प्रकृतियों का विपाकोदय रहता है और कितनी प्रकृतियों का प्रदेशोदय रहता है? विपाकोदय वाली प्रकृतियाँ लिखें? 2

.....
.....
.....
प्रश्न 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2.50

1. जीव श्रेणी आरोहण किस गुणस्थान से करता है?
2. एक भव में जीव उत्कृष्ट कितनी बार उपशम कितनी आयु की सत्ता रह सकती है?
3. उपशम श्रेणी आरोहण करने वाले जीव के उत्कृष्ट कितनी आयु की सत्ता रह सकती है?
4. क्षपक क्षेणी वाले जीव के कौन-सी आयु की सत्ता रहती है?
5. दर्शन सप्तक का क्षय करके जीव कौन-सी क्षेणी आरोहण कर सकता है?

प्रश्न 11 5

1. सयोगिकेवली गुणस्थान में सुस्वर का उदय विच्छेद कब होता है?
.....
2. 14वें गुणस्थान में सातावेदनीय कर्म का बंध क्यों नहीं होता है?
.....
3. देवगुरु क्षेत्र के युगलिक श्रावक के किस गोत्र का उदय होता है?
.....
4. क्षीण मोहनीय गुणस्थान के चरम समय में कितनी प्रकृतियों की सत्ता का विच्छेद होता है?
.....
5. जीव सर्वप्रथम किस कर्म की प्रकृतियों का उदय विच्छेद और सत्ता विच्छेद पूर्ण रूप से करता है?
.....